

*This question paper contains 8 printed pages.*

7891

Your Roll No. ....

**LL.B. / III Term**

**ES**

**Paper LB-3034 : PRIVATE INTERNATIONAL LAW**

**Time : 3 hours**

**Maximum Marks : 100**

*(Write your Roll No. on the top immediately  
on receipt of this question paper.)*

**NOTE:—** *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

**टिप्पणी:—** इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

*Attempt any five questions.*

*All questions carry equal marks.*

*किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

*सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. Discuss the definition, nature, scope of private international law. Explain application of the rules in cases of interpersonal conflict of laws in India and commercial transactions held through cyberspace.

प्राइवेट अन्तर्राष्ट्रीय विधि की परिभाषा, स्वरूप, परिव्याप्ति का विवेचन कीजिए। भारत में विधियों की अन्तर्वैयक्तिक टकराहट

P.T.O.

और साइबरस्पेस के माध्यम से किये गये वाणिज्यिक लेन-देनों के मामलों में नियमों के अनुप्रयोग की व्याख्या कीजिए। 20

2. *A* an Indian company entered into a contract with a foreign company *B* for supply of equipment, erection and commissioning of certain works in India. The governing law of contract as per the agreement was the Indian law and Delhi courts had exclusive jurisdiction in matters arising under the contract. The agreement also had the clause for submission of disputes to arbitration and had contractually chosen the ICC, London for conduct of arbitration. A dispute was submitted to ICC which gave the award in favour of *B*. *A* filed the case in Delhi High Court to set aside the award. The High Court held that award is not governed by Indian Law of Arbitration but it is foreign award. *A* appealed to Supreme Court. Decide referring to judicial decisions. Discuss the rules relating to proper law of contract under English and Indian law.

एक भारतीय कम्पनी *A* ने भारत में कतिपय निर्माणों के उपस्करों की आपूर्ति, उत्पादन और चालू करने हेतु विदेशी कम्पनी *B* के साथ संविदा की। करार के अनुसार संविदा की अधिशासी विधि भारतीय विधि थी और संविदा के तहत आने वाले मामलों में दिल्ली के न्यायालयों की अनन्य अधिकारिता थी। करार में विवादों को माध्यम हेतु प्रस्तुत करने हेतु खंड था तथा माध्यस्थम करने हेतु ICC, लंदन को संविदागततः चुना गया। ICC को एक विवाद प्रस्तुत किया गया जिसमें *B* के पक्ष में अधिनिर्णय किया था। *A* ने उक्त अधिनिर्णय को अपास्त

करने के लिये दिल्ली उच्च न्यायालय में केस फाइल किया। उच्च न्यायालय ने अभिनिर्धारित किया कि अधिनिर्णय भारतीय माध्यस्थम विधि द्वारा अधिशासित नहीं है मगर यह विदेशी अधिनिर्णय है। A ने उच्चतम न्यायालय में अपील की। न्यायिक विनिश्चयों को निर्दिष्ट करते हुये विनिश्चय कीजिए। इंगलिश और भारतीय विधि के अन्तर्गत उपयुक्त संविदा विधि से संबंधित नियम का विवेचन कीजिए। 20

3. A marriage took place at Bombay in 1951 between X, a Hindu Brahmin female and Y, a male belonging to tribe which followed Hindu law. X and Y were domiciled in Bombay and Hyderabad respectively, at the time of marriage. Y was already married to Z before marrying X. After the death of Y in 1954 X filed a case against Z for succession of properties of Y, Z contended that the marriage between X and Y was not valid as in the state of Bombay bigamous marriages were prohibited if either or both the parties to the marriage are domiciled in Bombay, as per the Special Marriage Act, 1872. The law was not applicable in Hyderabad but Z further pleaded that a custom in Hyderabad does not permit marriage outside the tribe. Decide the issue of validity of marriage discussing the relevant rules of private international law. Refer to judicial decisions.

एक हिन्दू ब्राह्मण महिला X और हिन्दू विधि का पालन करने वाली जनजाति के पुरुष Y के बीच 1951 में बम्बई में विवाह सम्पन्न हुआ। विवाह के समय X तथा Y क्रमशः बम्बई तथा

हैदराबाद के अधिवासी थे।  $X$  के साथ विवाह करने से पहले  $Y$  ने पहले ही  $Z$  के साथ विवाह कर रखा था। 1954 में  $Y$  की मृत्यु के बाद  $X$  ने  $Y$  की सम्पत्तियों के उत्तराधिकार हेतु  $Z$  के विरुद्ध केस फाइल किया।  $Z$  ने प्रतिवाद किया कि  $X$  तथा  $Y$  के बीच विवाह विधिमान्य नहीं है क्योंकि बम्बई राज्य में द्विविवाह वाला विवाह प्रतिषिद्ध है, यदि विवाह के दोनों में से प्रत्येक या दोनों पक्षकार विशेष विवाह अधिनियम, 1872 के अनुसार बम्बई के अधिवासी हैं। उक्त विधि हैदराबाद में लागू नहीं थी किन्तु  $Z$  ने आगे अभिवाक् किया कि हैदराबाद में रुढ़ि जनजाति के बाहर विवाह की अनुमति नहीं देती। प्राइवेट अन्तर्राष्ट्रीय विधि के सुसंगत नियम की चर्चा करते हुये विवाह की विधिमान्यता के विवाद्यक का विनिश्चय कीजिए। न्यायिक विनिश्चयों को निर्दिष्ट कीजिए।

20

4. (a) Explain domicile of choice and domicile of origin with reference to decided cases.

विनिश्चित केसों के निर्देश सहित पसंदीदा अधिवास और मूल अधिवास को स्पष्ट कीजिए।

- (b)  $A$ , whose domicile of origin is India, intends to leave India permanently after receiving an appointment letter for a job in Australia. He sends his family to Australia and himself stayed for few days in India for packing up everything. On the day of leaving he reaches airport and before boarding the flight for Australia he dies of heart attack. What was the domicile of  $A$  at the time of his death? Give reasons.

भारत में मूल अधिवास वाला A ऑस्ट्रेलिया में जॉब का नियुक्ति पत्र प्राप्त होने के पश्चात् स्थायी रूप से भारत को छोड़ने का इरादा करता है। उसने अपने परिवार को आस्ट्रेलिया भेज दिया तथा स्वयं प्रत्येक सामान की पैकिंग करने हेतु कुछ दिन के लिये भारत में रुक गया। छोड़ने के दिन वह हवाई अड्डा पहुँचता है और ऑस्ट्रेलिया की उड़ान पर चढ़ने के पहले उसकी दिल के दौरों से मृत्यु हो जाती है। मृत्यु के समय A का अधिवास क्या था? कारण प्रस्तुत कीजिए।

20

5. Explain, whether the following foreign judgements are enforceable in India, with reference to relevant rules of private international law and judicial decisions:

- (a) A judgement of custody of child was obtained by father from the Superior Court of Washington, Seattle in his favour. The mother brought the child to India in violation of parenting plan wherein mother had visitation rights. The child is studying in Bangalore for last 3 years. The father of child has recently lost the job in Seattle and mother is working at Bangalore. The child was born in Seattle. Father wanted to enforce the judgement in India. The mother contended that judgement is in violation of rules of natural justice.

P.T.O.

- (b) *A*, a Hindu male and *B*, a Hindi female married at Tiruputi, India and shifted to New York. After three years of the marriage differences arose between them and *B* came to India to stay with her parents and took up a job here. *A* obtained an *expartaed* ivorce decree from Missouri on the pretext that *A* was resident of Ontorio for 90 days preceding the commencement of action. *B* did not submit to the jurisdiction of the court. *A* married *C* after the decree. *B* filed a case of bigamy in India contending that management is not enforceable in India as being obtained by committing fraud on the court.

प्राइवेट अन्तर्राष्ट्रीय विधि के सुसंगत नियमों और न्यायिक विनिश्चयों के निर्देश के साथ स्पष्ट कीजिए क्या निम्नलिखित विदेशी निर्णय भारत में प्रवर्तनीय हैं:

- (a) एक पिता ने वाशिंगटन, सियटिल के वरिष्ठ न्यायालय से बच्चे की अभिरक्षा का निर्णय अपने पक्ष में प्राप्त किया था। माता जनकीय योजना के उल्लंघन में बच्चे को भारत ले आई जिसमें माता को निरीक्षण करने के अधिकार थे। बच्चा गत तीन वर्ष से बंगलौर में पढ़ रहा है। बच्चे के पिता ने सियटिल में अपना जॉब गंवा दिया तथा माता बंगलौर में कार्य कर रही है। बच्चे का जन्म सियटिल में हुआ था। पिता भारत में निर्णय को प्रवृत्त करना चाहता है। माता ने प्रतिवाद किया कि उक्त निर्णय, नैसर्गिक न्याय के नियम का उल्लंघन है।

- (b) हिन्दू पुरुष *A* और हिन्दू महिला *B* ने भारत में तिरुपति में विवाह किया तथा वे न्यूयार्क शिफ्ट कर गए। विवाह के तीन वर्ष बाद उनके बीच दूरी पैदा हो गई तथा *B* अपने माता-पिता के साथ रहने के लिये भारत लौट आई और यहाँ एक जॉब करना शुरू कर दिया। *A* ने इस बहाने पर मिसौरी से एक-पक्षीय तलाक डिक्री प्राप्त कर ली कि *A* अनुयोग के प्रारंभ होने से पूर्व 90 दिन तक ऑनटोरियो का निवासी था। *B* को न्यायालय की अधिकारिता की अधीनता स्वीकार नहीं थी। *A* ने डिक्री के बाद *C* के साथ विवाह कर लिया। *B* ने यह प्रतिवाद करते हुये भारत में द्विविवाह का केस फाइल कर दिया कि यह निर्णय न्यायालय के साथ कपट करके प्राप्त किया गया था इसलिये भारत में प्रवर्तनीय नहीं है। 20

6. Discuss the English and Indian position regarding choice of law in case of torts. Refer to judicial decisions.

अपकृत्यों के केस में विधि के चयन के बारे में इंगलिश और भारतीय स्थिति का विवेचन कीजिए। न्यायिक विनिश्चयों को निर्दिष्ट कीजिए। 20

7. (a) What are the principles laid down by Supreme Court with regard to inter-country adoption in *Laxmikant Pandey V. Union of India*, AIR 1984 SC 469?

लक्ष्मीकान्त पांडे बनाम यूनियन ऑफ इंडिया, ए०आई०आर 1984 एस०सी० 469 में अन्तर्देशीय दत्तक ग्रहण के संबंध में उच्चतम न्यायालय द्वारा अधिकथित सिद्धान्त क्या हैं ?

- (b) What are the jurisdictional rules under private international law relating to custody of child?

बच्चे की अभिरक्षा के संबंध में प्राइवेट अन्तर्राष्ट्रीय विधि के अन्तर्गत अधिकारिता के नियम क्या हैं ? 20

8. Write short notes on any *two* of the following:

- (a) Primary and Secondary domicile  
 (b) Characterisation and Renvoi  
 (c) Ante suit injunctions for suits pending in foreign courts.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

- (a) प्राथमिक और द्वितीयक अधिवास  
 (b) विशेषता वर्णन और अन्य देश की अधिकारिता को केस निर्दिष्ट करने की क्रिया या प्रक्रम  
 (c) विदेशी न्यायालयों में लम्बित वादों हेतु वाद-विरुद्ध व्यादेश । 20